चतुर्थ प्रश्न पत्र : विशेष कवि का अध्ययन (कोई एक)

सूरदास अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(क) सूरदास : सागर सूर सार – संपादक – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरसाहित्य, रामचन्द्र शुक्ल नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी।
2. सूर साहित्य, हजारीप्रसाद द्विवेदी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. महाकवि सूरदास , नन्द दुलारे वाजपेयी राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : रागविराग, संपादकः रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

संदर्भ ग्रंथ :

1. निराला, रामविलास शर्मा,
2. निराला की साहित्य साधना, खंड-2
3. आत्महंता आस्था, दूधनाथ सिंह, लोकभारती इलाहाबाद

(द) आचार्य विधा सागर (मूक माटी) : अगले पृष्ठ पर

म.प्र भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

एम.ए. (हिन्दी) पूर्वार्द्ध

अकादमिक वर्ष 2018–19

प्रश्न पत्र – चतुर्थ प्रश्न (विशेष कवि)
प्रश्न पत्र – आचार्य विद्या सागर (मूकमाटी)
अधिकतम अंक :
आंतरिक मूल्यांकन — उत्तीर्ण अंक :
लिखित परीक्षा

आचार्य विद्यासागर

आवश्यकता :– आधुनिक महाकाव्य परंपरा में धर्म दर्शन और आध्यात्म का संदर्भ विरल हो चला है। यह कृति इनपक्षों की सम्पूर्ति करती है। अतः इसका अध्ययन छात्र एवं युवा पीढ़ी के लिए आवश्यक है।

उद्देश्य :– इस पुस्तक के माध्यम से समाज से लुप्त हो रहे मानव जीवन मूल्य एवं साहित्य के भूलते जो रहे आस्थाभाव की वापसी हो सकेगी। भारतीय कविता का स्वभाव लोकोन्मुखी है। इस कृति को इस दृष्टि से पढ़ाया जाना वांछित है।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम : (अ) हिन्दी संत काव्य परम्परा
(ब) आचार्य विद्यासागर के काव्य में लोकमंगल भावना

इकाई द्वितीय : आचार्य विद्यासागर जीवन और व्यक्तित्व परिचय

इकाई तृतीय : आचार्य विद्यासागर का जीवन दर्शन एवं रचना संसार (संक्षिप्त परिचय)

इकाई चतुर्थ : मूकमाटी का महाकाव्यत्व
उद्देश्य, कथानक, पात्र योजना एवं चरित्र चित्रण, संवाद–योजना, परिस्थिति चित्रण, अभिव्यंजना– सौन्दर्य का विश्लेषण।

इकाई पंचम : मूक माटी के प्रमुख पद्यों की व्याख्या
मूक माटी – संचयन
संपादक – डॉ. शीलचन्द्र पालीवाल

संदर्भ सूची

मूल ग्रंथ : 'मूकमाटी' आचार्य विद्यासागर

संदर्भ ग्रंथ : 'मूकमाटी संचयन'

1. उत्तरी भारत की संत परम्परा – डॉ. परशुराम चतुर्वेदी
2. मध्यकालीन धर्मसाधना – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का अतीत – आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. संत साहित्य संदर्भ कोश – डॉ. मुश्री कानडे
6. आचार्य विद्यासागर की लोक दृष्टि और उनके काव्य का कलागत अनुशीलन – डॉ. सुनीता दुबे
7. तंत्र और संत आचार्य राममूर्ति त्रिपाठी

6.9.18
06.9.18
6.9.18